

प्रेषक,

संख्या : 36-दो(2)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(2)/07

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,
मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय,
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग - 2

विषय:- कुटुम्ब न्यायालयों में संविदा के आधार पर तैनात वाहन चालक का भुगतान किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2007-2008 में धनराशि की स्वीकृति ।

देहरादून : दिनांक : 04 फरवरी 2008

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-109/यू०एच०सी०/एडमिन-बी/कुटुम्ब न्यायालय/07, दिनांक 10.1.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 8-दो(2)/XXXVI(1)(2)/2007-1-दो(2)/07, दिनांक 31.7.2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कुटुम्ब न्यायालयों में संविदा के आधार पर तैनात वाहन चालक को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 में 42-अन्य व्यय से भुगतान किये के सम्बन्ध में वित्त विभाग की सहमति एवं तदक्रम में 42-अन्य व्यय मद के सम्प्रति बजट में कोई धनराशि अवशेष न होने के कारण तथा वर्तमान में आवश्यकता के दृष्टिगत संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-08-कार्यालय व्यय में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-42-अन्य व्यय में रुपये 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यावर्तित कर व्यय करने की महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (I) प्रत्येक माह होने वाले व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 में अंकित कर उपलब्ध कराया जाय ।
- (II) उक्त धनराशि बजट मैनुअल के सम्बन्धित नियमों तथा शासन के अन्य आदेशों द्वारा विनियमित होगी।

(III) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-105-सिविल और सेशन न्यायालय-03-जिला तथा सेशन न्यायाधीश-04-पारिवारिक न्यायालय-00-42-अन्य व्यय" से किया जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अरासकीय संख्या यू०ओ० 1275/XXVII(5)/2008, दिनांक 29.1.08 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक : बी०एम०-15

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव ।

संख्या : 36-दो(2)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(2)/07-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

बी. एम.-15

पुनर्विनियोग 2007-2008 आयोजनेत्तर

नियंत्रक अधिकारी का नाम- महानिबन्धक, मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण

1	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है ।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 1 में अवशेष धनराशि	अन्य विवरण
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर -105-सिविल एवं सेशन न्यायालय-04 -पारिवारिक न्यायालय-00- 08-कार्यालय व्यय	450 450	109 109	4 250 - क 250	5 2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर -105-सिविल एवं सेशन न्यायालय-04 -पारिवारिक न्यायालय-00- 42-अन्य व्यय	6 159 159	7 300 300	8 क-वचन होने के कारण । ख- प्राविधान कम एवं आवश्यकता अधिक होने के कारण ।


प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुअल के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सोपाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग

संख्या-1275-क/वित्त अनुभाग-5/2008

देहरादून : दिनांक : 29 जनवरी, 2008


(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,


महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी),
उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड,
माजरा, देहरादून ।

एन०एन०धरालयाल,
अपर सचिव, वित्त ।

संख्या-366-चो(2)/XX.XVI(1)/2007-08-1-चो(2)/07-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महानिबन्धक, मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल ।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- गार्ड फ़ाइल ।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव